गाँव हमारा, खेत हमारा, जल जंगल ज़मीन हमारा।
सपना हमारा विकास हमारा, योजना है अधिकार हमारा।।

ग्राम सभा में योजना निर्माण

बैंक पोस्ट ऑफिस
से हो भुगतान,
जॉब कार्ड - पासबुक
का करें मिलान।
डाक घर

चोट लगे तो
मिले मुफ्त दवाई,
आधी मज़दूरी
पाओ भाई।

छाया, दवा, बच्चे का पालना,
कार्यस्थल पर पानी भी रखना।

ग्राम सभा अब करे निगरानी,
नहीं चलेगी कोई मनमानी।

कार्यस्थल पर
रहे किताब,
मस्टर रोल
में बने हिसाब।

ग्राम सभा में खोलो पोल,
गलती हो तो हल्ला बोल!

मनरेगा से बढ़े हरियाली ।
हरियाली से हो खुशहाली ।।

योजना क्यों ? अच्छी योजना क्या है ?

एक अच्छी नियोजन प्रक्रिया के लिए आवश्यक है कि हम

सूचना संग्रह करें।
जन जन की भागीदारी सुनिश्चित करें
(महिला, पुरूष, मजदूर, विकलांग, अभिवंचित)
समस्याओं का सही पहचान और उनका प्राथमिकीकरण करें।
समस्याओं के निराकरण के लिए परंपरागत उपाय और नये प्रयोगों पर चर्चा करें।
उपलब्ध संसाधन के आधार पर इन्हें सूचिबद्ध करें।

पुरखों का ज्ञान।
विज्ञान का सम्मान।।

गाँव का इतिहास

हमारे गांव का एक इतिहास है, जिसमें खेत खलिहान, हरियाली खुशहाली, नदी तालाब, खेती किसानी, दादी नानी की कहानी सबकी अपनी पहचान रही है।

आईये हम इन्ही पहचानों से अपनी योजना निर्माण शुरू करें:–

पूर्व में किस–किस जमीन पर ऊपज होती थी
और कौन–कौन सी फसल जो आज नहीं हो रही है?
पूर्व में जल की उपलब्धता कैसी थी और उसके संरक्षण के उपाय क्या थे?
कोई नया प्रयोग जो इस क्षेत्र में किये गये और उसका अनुभव कैसा रहा?
इस गांव की आजीविका के क्षेत्र में क्या कोई उपलब्धि थी?

इस चर्चा को बढ़ाते हुए आज की बैठक शुरू करें।

योजना निर्माण के कदम

सोचा समझा जाना है ।
सही काम पहचाना है।।

- गाँव के राजस्व मानचित्र की चार प्रतिलिपियां तैयार करना।
- GIS के माध्यम से जल, जंगल, ज़मीन की स्थिति को मानचित्र पर दर्शाना।
- गांव के एक छोर से दूसरे छोर तक संयुक्त पैदल भ्रमण।
- सामाजिक एवं संसाधन मानचित्र और मौसमी कैलेंडर को सहभागी तरीके से बनाना। इन मानचित्रों के आधार पर हम गाँव की वर्तमान स्थिति का आंकलन करते हैं।
- गाँव के विकास परिकल्पना की चर्चा और उसकी रूपरेखा तैयार करना।
- अभिवंचित व्यक्ति, परिवार एवं समूह से चर्चा ।
- योजनाओं का सूचीबद्ध प्राथमिकीकरण।
- प्रस्तावित योजना को मानचित्र पर दर्शाना।
- प्राथमिकीकरण के आधार पर चयनित योजनाओं का ग्राम सभा में अनुमोदन करवाना।

आम जन के वास्ते।
ग्राम सभा के रास्ते।।

गाँव के एक छोर से
दूसरे छोर तक संयुक्त पैदल भ्रमण

स्थिति का आकलन

परिस्थिति का रखें ध्यान।
तभी बनेगा सफल प्लान।।

गांव की परिस्थिति के आकलन के लिए इन छः आयामों पर ध्यान देना आवश्यक है

1. आधारभूत संरचनाओं में कमी
2. सेवाओं की उपलब्धता एवं पहुँच
3. आर्थिक परिस्थिति
4. मानव संसाधन
5. प्राकृतिक संसाधन का प्रबंधन
6. सामाजिक परिस्थिति

वंचित व्यक्ति, परिवार एवं समूह की पहचान

महिला, मज़दूर, वृद्ध और विकलांग।
अब सब करें विकास की मांग।।

बेसहारा वृद्ध मजदूर

विकलांग मजदूर

गर्भवती मजदूर

धात्री माता मजदूर

भूमिहीन मजदूर परिवार

पलायन करने वाले मजदूर परिवार

बन्धुआ मजदूरों या बाल मजदूरी से
मुक्त परिवार

आदिम जनजाति, दलित मजदूर आदि।

संसाधन एवं सामाजिक मानचित्र

ज़मीन के प्रकार, भूमि उपयोगिता, कुंआ, तालाब, चेक डेम, नदी, नाला, पानी का स्रोत और स्तर, भू–संरक्षण, वन भूमी, पहाड, जंगल और अन्य संसाधन जो विकास के साथ जुडी है।

संसाधन, समस्या और समाधान। सही योजना की पहचान।।

आर्थिक और सामाजिक रूप से वंचित वर्ग के लागों को चिन्हित करना – अनुसूचित जाति, जनजाति, आदिम जनजाति, इन्द्रा आवास योजना तथा वनाधिकार कानून के लाभुक, वृद्ध, एकल महिला, विकलांग, भूमिहीन आदि।

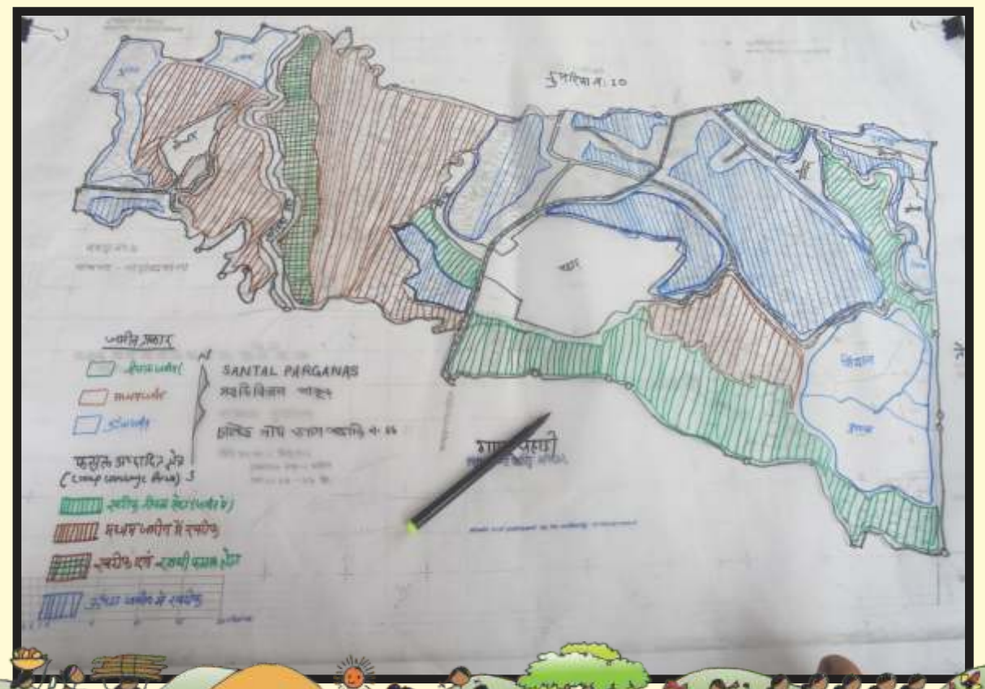

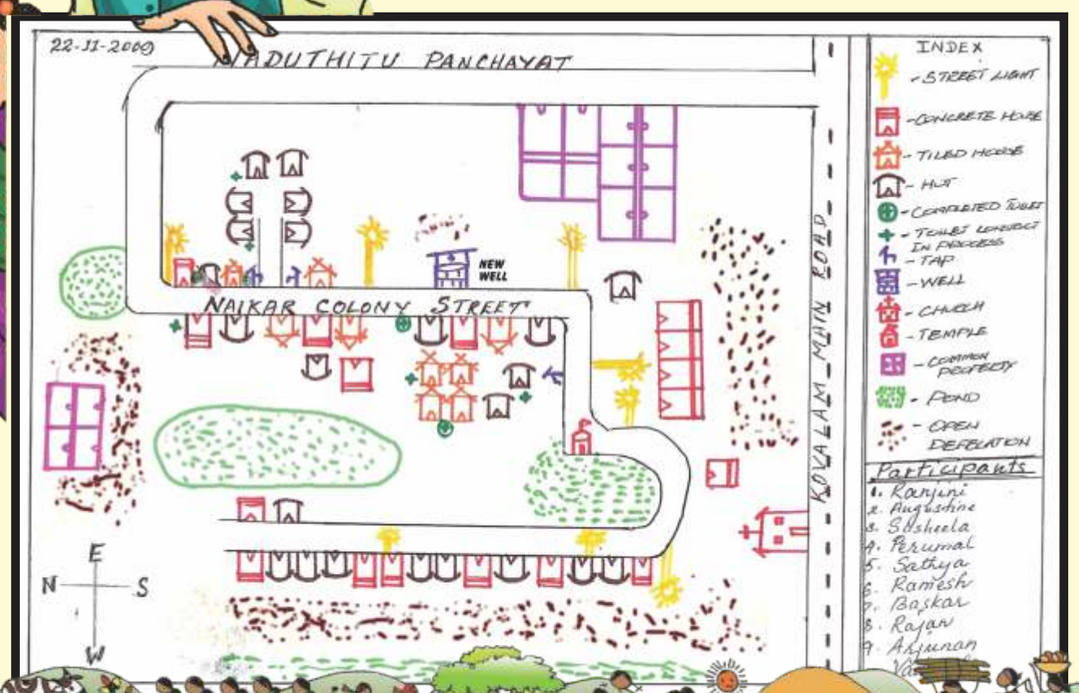

हर मौसम में काम चले।
सम्मान के साथ रोजगार मिले।।

मौसमी कैलेन्डर

भोजन, पेयजल, वर्षा, पलायन, रोजगार, पर्व, बीमारी, जलावन, प्राकृतिक आपदा आदि का बारह महीने में आकलन। नरेगा अंतर्गत कौन से कार्य किस माह में किये जा सकते हैं।

टोला में चर्चा–
विभिन्न समूह के साथ

टोले–टोले में हो बात।
योजना में हो सबका साथ।।

दलित/आदिवासी बसाहटों में
मूलभूत आवश्यकताओं की स्थिति।
महिला समूहों तथा परिवारों के
जीवन यापन की स्थिति।
मनरेगा के विषय में चर्चा।
योजनाओं का टोला स्तरीय
प्लान बनाने पर चर्चा।

सपनों को हम दें आकार।
तभी होंगे वो साकार।।

प्रस्तावित योजना मानचित्र

हमारा उद्देश्य क्या है? (मंजिल)

हम इसके सहारे क्या हासिल करना चाहते हैं? (दृष्टि)

इसमें किन संसाधनों की आवश्यकता होगी। (संसाधन)

इसकी संचालन कैसे होगी। (प्रक्रिया)

विभिन्न तबकों की इसमें क्या भूमिका होगी। (भागीदारी)

ग्राम सभा

ग्राम सभा में हो भागीदारी।
जन–जन की है जिम्मेवारी।।

ग्राम सभा में योजना निर्माण की ससमय घोषणा

ग्राम विकास समिति के द्वारा ग्राम विकास योजना का निर्माण।

ग्राम सभा बैठक में महिलाओं की संख्या 1/3 तथा अभिवंचित समूहों की भागीदारी सुनिश्चित होना है।

ग्राम सभा बैठक पंजी में सम्पूर्ण विवरणी के साथ ब्यौरा दर्ज करना एवं सभाध्यक्ष/ग्राम प्रधान का हस्ताक्षर

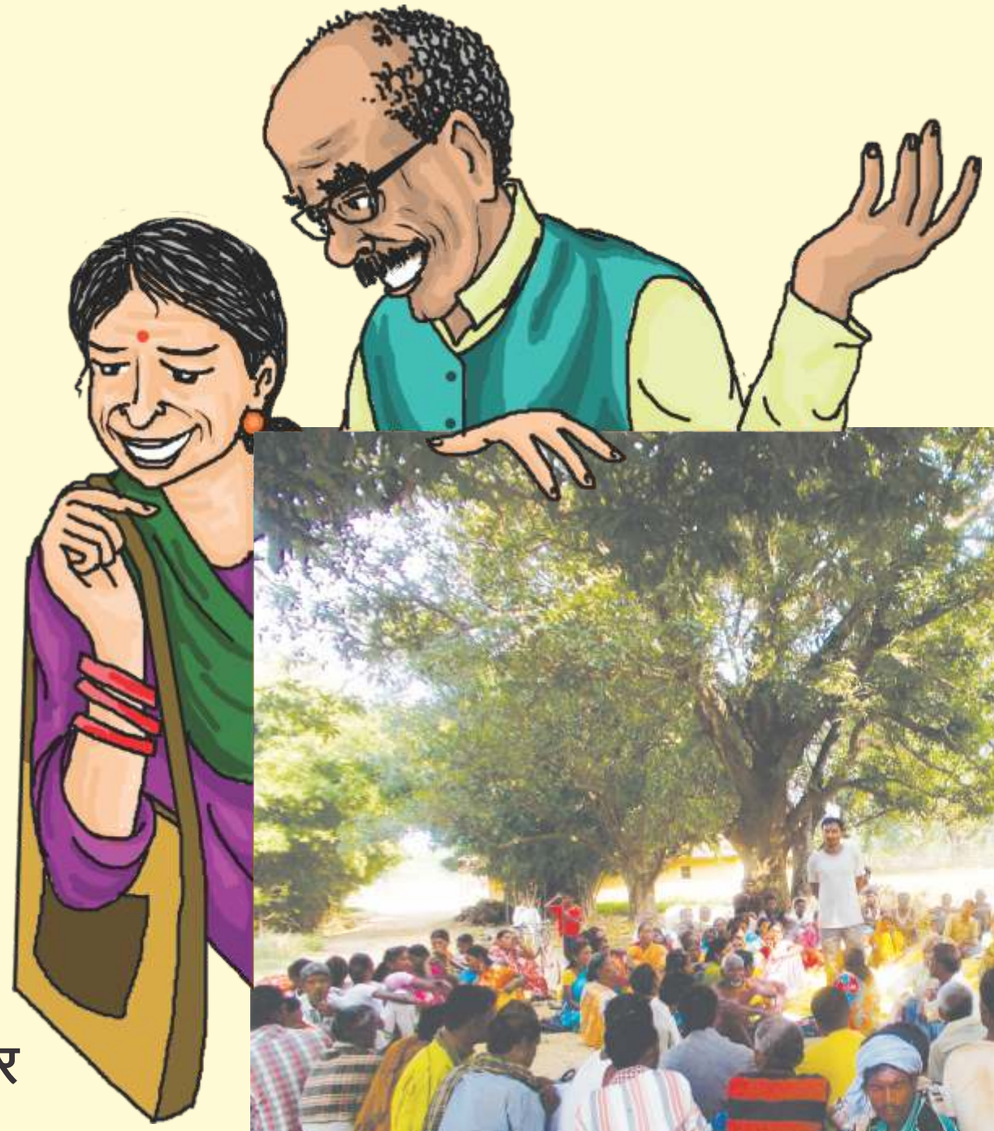

हर पंचायत की जिम्मेवारी।
क्रियान्वयन की करे तैयारी।।

पंचायत बैठक

ग्राम सभा से पारित योजनाओं को
समय से प्राप्त करना।

निर्धारित प्रपत्र में ग्रामवार योजनाओं का
समेकित प्रतिवेदन तैयार करना।

योजना एवं बजट का आकलन एवं मिलान।

ग्राम सभा से पारित योजनाओं पर
बैठक में खुली चर्चा।

प्रखंड प्रस्तुतीकरण

राज्यसभा न लोकसभा।
सबसे ऊँची ग्रामसभा।।

बैठक में पंचायतवार श्रम बजट तथा अनुमोदित योजनाओं का प्रस्तुतिकरण।

पंचायतों द्वारा अनुमोदन के उपरान्त प्राप्त योजनाओं का समेकन।

अन्तर पंचायत संबंधी योजनाओं को शामिल करना।

पंचायत समिति में श्रम बजट तथा योजनाओं का अनुमोदन।

अनुमोदित योजनाओं की एमआईएस प्रवृष्टि।

जिला कार्यक्रम अधिकारी को समर्पित करना।

मनरेगा योजना
के तहत् सूचिबद्ध कार्य

जल जन जमीन जानवर और जंगल।
इन पांचों से होगा गांव का मंगल ।।

अभिसरण (कन्वरजेन्स)

अलग–अलग योजना अलग–अलग काम।
गांव के विकास में हम सबका योगदान।।

मनरेगा कानून है, कानून है अधिकार।
इन बातों को जान लो, योजना है तैयार।।

इन बातों पर अवश्य ध्यान रहे

उपलब्ध संसाधन के आधार पर योजनाएं बनाई गई है?

60 : 40 का श्रम सामग्री अनुपात है?

60% से अधिक योजना कृषि से संबंधित है?

तीनों श्रेणियों के कार्यों का समुचित मिश्रण है?

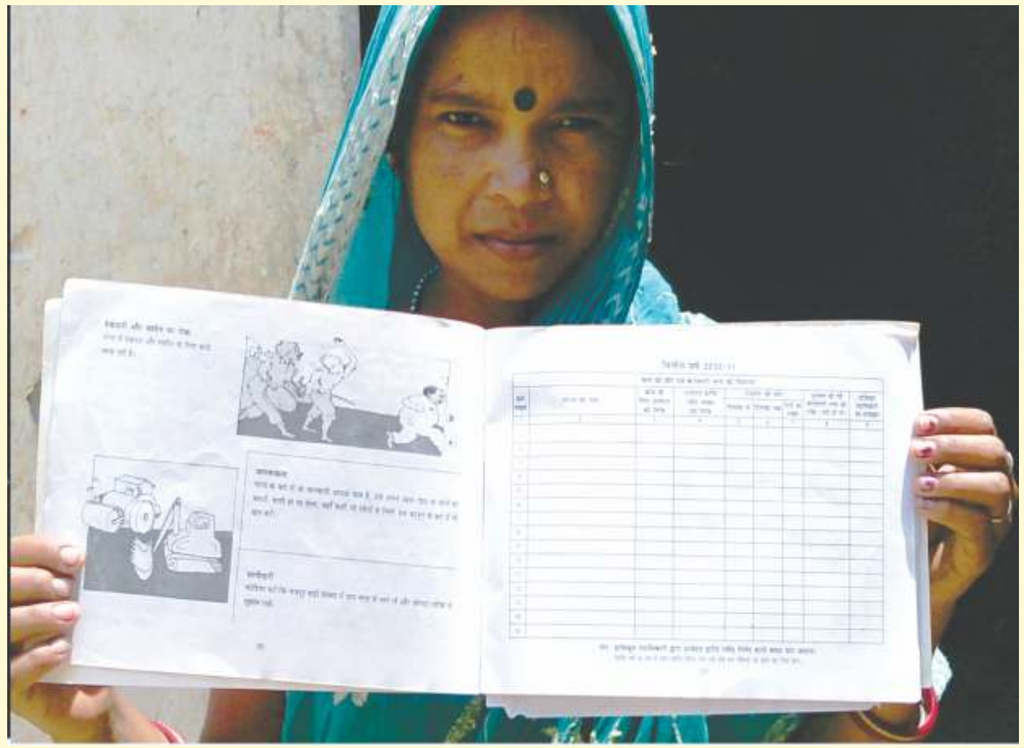

योजना निर्माण के उपयोगी सामग्री

ज्ञान तकनीक और औजार।
आओ करें योजना तैयार।।

Social mapping is a visual method of showing the relative location of households and the distribution of different people (such as male, female, adult, child, landed, landless, literate, and illiterate) together with the **social** structure, groups and organisations of an area.

Resource Map is a free, open-source tool that helps you make better decisions by giving you better insight into the location and distribution of your resources. With Resource Map, you and your team can collaboratively record, track, and analyze resources at a glance using a live map.

GIS – Geographical Information System: The Global Positioning System (GPS) is a satellite-based system that can be used to locate positions anywhere on the earth. Operated by the U.S. Department of Defense (DoD), NAVSTAR (NAVigation Satellite Timing and Ranging) GPS provides continuous (24 hours/day), real-time, 3-dimensional positioning, navigation and timing worldwide. Any person with a GPS receiver can access the system, and it can be used for any application that requires location coordinates.

Dumpy level. A dumpy level, builder's auto level, leveling instrument, or automatic level is an optical instrument used to establish or check points in the same horizontal plane. It is used in surveying and building with a vertical staff to measure height differences and so transfer, measure and set heights.

The way it works is that software with an easy to use interface is installed on smartphones or tablets, which allows offline data entry on the spot at the field level. The device then uploads the information to a database when it is connected to the internet. This method resolves some of the issues of data hampering, as the information is directly sent from the field level to the collective data base. It also resource efficient as data no longer has to be transposed from paper questionnaires or monitoring sheets and thus allows much larger data collection.